

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 225]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 25, 2011/कार्तिक 3, 1933

No. 225]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 25, 2011/KARTIKA 3, 1933

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 2011

(प्रारंभिक जाँच परिणाम)

**विषय :** इस्राइल तथा ताइवान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सभी ग्रेडों एवं सभी सांद्रणों के 'फास्फोरिक एसिड (कृषि/उर्वरक ग्रेड को छोड़कर)' के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच ।

सं. 14/44/2010-डीजीएडी.—यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) एवं उसके अंतर्गत बनाए गए यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति-निर्धारण) नियमावली (जिसे एतदपश्चात् पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

2. यतः इस्राइल तथा ताइवान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सभी ग्रेडों एवं सभी सांद्रणों के 'फास्फोरिक एसिड (कृषि/उर्वरक ग्रेड को छोड़कर)' के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच के शुरुआत हेतु उक्त अधिनियम तथा पाटनरोधी नियमावली के अनुसरण में मैसर्स गुजरात अल्कलीज एंड केमिकल्स लि., बड़ौदा (जिन्हें एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया था और सम्बद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया था । पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(5) के अनुसरण में सम्बद्ध देशों को आवेदन की प्राप्ति के बारे में सूचित किया गया था ।

3. और यतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने कथित पाटन की मौजूदगी, सीमा तथा प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की संस्तुति करने, जिसे यदि लगाया जाता है तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी, के उद्देश्य से सम्बद्ध देशों के मूल से अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत करते हुए दिनांक 4 फरवरी, 2011 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी, जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था।

## क. प्रक्रिया

4. प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त जांच की शुरुआत की सूचना देते हुए सार्वजनिक नोटिस जारी करने के बाद इस जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:-

- i. प्राधिकारी ने दिनांक 4 फरवरी, 2011 की जांच शुरुआत अधिसूचना की प्रति भारत में सम्बद्ध देशों के दूतावास/आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्रों, सम्बद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को भिजवाई थी और उनसे जांच शुरुआत अधिसूचना की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार लिखित में भिजवाने का अनुरोध किया था ।
- ii. उपर्युक्त नियमावली के नियम 6(3) के अनुसरण में प्राधिकारी ने आवेदन के अगोपनीय पाठ की प्रति ज्ञात निर्यातकों तथा भारत में सम्बद्ध देशों के दूतावास/आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्र को उपलब्ध कराई थी ।
- iii. उपर्युक्त नियमावली के नियम 6(2) के अनुसरण में भारत में सम्बद्ध देशों के दूतावास/आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्र को जांच के शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था और उनसे अपने-अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत करने की सलाह देने का अनुरोध किया गया था । निर्यातकों को भिजवाए गए पत्र एवं प्रश्नावली की एक-एक प्रति भी उन्हें ज्ञात निर्यातकों के नाम तथा पतों के साथ भिजवाई गई थी ।
- iv. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसरण में प्राधिकारी ने प्रासंगिक सूचना प्राप्त करने हेतु प्रश्नावली की प्रतियां सम्बद्ध देशों के निम्नलिखित निर्यातकों को भिजवाई थी :

| क्र.सं. | उत्पादक / निर्यातक का नाम                           |
|---------|---|
| 1       | मेसर्स ग्वोहुआ केमिकल ताइवान,                       |
| 2       | मेसर्स ताइवान एलम केमिकल इंडस्ट्रीज कं. लि0, ताइवान |
| 3       | मेसर्स ग्रीन माउंटेन कं., ताइवान                    |
| 4       | मेसर्स यिहंर केम एवं हौर्ट कं. लि0, ताइवान          |
| 5       | मेसर्स साउथ फ्लावर ट्रेडिंग कं. लि0, ताइवान         |
| 6       | मेसर्स कोर केमिकल इंक., ताइवान                      |
| 7       | मेसर्स इस्राइल केमिकल्स लि0, इस्राइल                |

- v. उपर्युक्त सूचना के उत्तर में सम्बद्ध देशों के निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों/एसोसिएशनों ने उत्तर प्रस्तुत किए हैं :

1. मेसर्स येओऊ एफए केमिकल कं. लि0, ताइवान

2. मेसर्स इस्राइल केमिकल्स लि०., इस्राइल
3. मेसर्स हाइफोर्स केमिकल्स कारपोरेशन, ताइवान ।

vi. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसरण में आवश्यक सूचना प्रदान करने का अनुरोध करते हुए भारत में सम्बद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावली की प्रतियां भिजवाई गई थीं :

| क्र. सं. | निर्यातकों/आयातकों के नाम                              |
|----------|--|
| 1        | मेसर्स अल्ब्राइट एंड विल्सन केमिकल्स लि०, मुम्बई       |
| 2        | मेसर्स भविता केमिकल्स प्रा. लि०, महाराष्ट्र            |
| 3        | मेसर्स सी जे शाह एंड कं., मुम्बई                       |
| 4        | मेसर्स जयदीप एजेंसीज, मुम्बई                           |
| 5        | मेसर्स फार्माकेम ट्रेडर्स प्रा. लि०, प० बंगाल          |
| 6.       | मेसर्स बेट्टेज्डीयरबोर्न इंडिया प्रा. लि०, कर्नाटक     |
| 7.       | मेसर्स फटीलाइजर्स एंड केमिकल्स, केरल                   |
| 8        | मेसर्स मद्रास फटीलाइजर्स लि०, मनाली मद्रास             |
| 9.       | मेसर्स एक्सेल इंडस्ट्रीज लि०, महाराष्ट्र               |
| 10       | मेसर्स हिंद लीवर केमिकल्स लि०, पंजाब                   |
| 11       | मेसर्स रिलायंस इंडस्ट्रीज लि०, महाराष्ट्र              |
| 12       | मेसर्स कारबोरेण्डम यूनिवर्सल लि०, चेन्नै               |
| 13       | मेसर्स टोनिरा फार्मा लि०, बड़ौदा                       |
| 14       | मेसर्स बर्जर आटो एंड इंडस्ट्रियल कोट, न्यू दिल्ली      |
| 15       | मेसर्स एलजी इलेक्ट्रॉनिक इंडिया प्रा. लि०, न्यू दिल्ली |
| 16.      | मेसर्स सुदीप फार्मा लि०, बड़ौदा                        |
| 17.      | मेसर्स मंगलोर केमिकल्स एंड फटीलाइजर्स लि०, कर्नाटक     |
| 18       | मेसर्स आईसीआई इंडिया लि०, मद्रास                       |
| 19.      | मेसर्स भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि०, न्यू दिल्ली            |
| 20       | मेसर्स तोसिफ सिल्कटेक्स, कोलकाता                       |
| 21       | मेसर्स टोरेंट फार्मास्यूटिकल्स लि०, बॉम्बे             |
| 22       | मेसर्स स्टार केमिकल्स प्रा. लि०, मुम्बई                |
| 23       | मेसर्स पंजाब केम एंड क्राप प्रोटेक्शन लि०, मुम्बई      |
| 24       | मेसर्स सोलारिस केमटेक लि०, कर्नाटक                     |

vii. कुछेक हितबद्ध पक्षकारों से प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत करने हेतु समय बढ़ाने का अनुरोध किया गया था । अधिकारी ने समयसीमा को ध्यान में रखते हुए समय बढ़ाने हेतु स्वीकृति प्रदान की थी ।

viii. भारत में सम्बद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित आयातकों से आयातक प्रश्नावली के उत्तर प्राप्त हुए हैं :

1. मेसर्स केम टॉल राय इंडिया लि०

ix. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय पाठ को एक सार्वजनिक फाइल के रूप में हितबद्ध पक्षकारों को निरीक्षणार्थ उपलब्ध कराया था।

x. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों का ब्यौरा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था।

xi. यह अभिनिश्चित करने के लिए कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने हेतु पर्याप्त होगा, सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर आवेदक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार भारत में सम्बद्ध वस्तुओं के विनिर्माण की इष्टतम लागत एवं बिक्री की लागत ज्ञात की गई।

xii. जांच दिनांक 1 अप्रैल, 2009 से 30 जून, 2010 (15 माह) (पीओआई) की अवधि हेतु की गई। क्षति के विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच हेतु अप्रैल 2006 – मार्च 2007, अप्रैल 2007–मार्च 2008, अप्रैल 2008–मार्च 2009 की अवधि तथा जांच अवधि को शामिल किया गया।

xiii. जहां तक गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता का संबंध है हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना की जांच की गई थी संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने, जहां आवश्यक था, गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और इसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया गया। जहां कहीं संभव था, गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकार से गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था।

xiv. जहां कहीं किसी हितबद्ध पक्षकार ने जांच के दौरान आवश्यक सूचना प्रस्तुत करने से मना किया अथवा उसे अन्यथा प्रस्तुत नहीं किया अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली, वहां प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज किए हैं।

xv. इस अधिसूचना में \*\*\* एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना है और इसे प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत गोपनीय माना है।

## मेसर्स हाइफोर्स केमिकल्स कारपोरेशन, ताइवान द्वारा किए गए निवेदन

5. मेसर्स हाइफोर्स केमिकल्स कारपोरेशन, ताइवान ने अन्य बातों के साथ कहा है कि उन्हें इस विषय पर जांच से संबंधित सूचना ताइवानी बाजार से प्राप्त हुई थी और उन्हें डीजीएडी से अब तक कोई नोटिस प्राप्त नहीं हुआ है और इस प्रकार उन्होंने अनुरोध किया है कि उन्हें पर्याप्त समय देते हुए निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया जाए ।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

6. उपर्युक्त उत्तर के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मामले से संबंधित जांच की शुरुआत दिनांक 4 फरवरी, 2011 को की गई थी । पाटनरोधी नियमावली के अनुसरण में सम्बद्ध देशों के ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 25 फरवरी, 2011 के पत्र के माध्यम से 40 दिनों के भीतर निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने की विधिवत सलाह दी गई थी । इसके अलावा दिनांक 25 फरवरी, 2011 के पत्र के माध्यम से ताइवान आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्र को आवेदन के अगोपनीय पाठ के साथ जांच शुरुआत अधिसूचना की एक प्रति तथा प्रश्नावली की एक प्रति अग्रेषित की गई थी, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ सूचित किया गया था कि ज्ञात निर्यातकों से उन्हें भिजवाई गई प्रश्नावली के उत्तर के रूप में संबंधित सूचना प्रस्तुत करने हेतु अलग से अनुरोध किया जा रहा है, तथापि सम्बद्ध वस्तुओं के और भी उत्पादक/निर्यातक हो सकते हैं जो इस जांच में दिलचस्पी रखते हों और इसलिए उनसे इसे सभी संबंधितों के ध्यान में लाने का अनुरोध किया गया था ताकि वे अपने हितों की रक्षा प्रभावी तरीके से कर सकें । इस प्रकार यह अपेक्षा की जाती थी कि ताइवान आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्र ताइवान के निर्यातकों/उत्पादकों को समुचित सलाह देगा ।

7. इसके अलावा, पाटनरोधी नियमावली अथवा डब्ल्यूटीओ के पाटनरोधी करार के अंतर्गत ऐसी कोई बाध्यता नहीं है जिसमें सम्बद्ध देश के प्रत्येक उत्पादक/निर्यातक को जांच शुरुआत अधिसूचना के बारे में सूचित करने की अपेक्षा की गई हो । इसके अलावा, जांच शुरुआत अधिसूचना को न केवल भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया, बल्कि इसे वाणिज्य विभाग की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित किया गया था । सम्बद्ध देश के किसी निर्यातक/उत्पादक को, जिसका नाम डीजीएडी के समक्ष प्रस्तुत आवेदन में नहीं दिया गया है उससे प्रश्नावली (जिसे विभाग की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है) का उत्तर जांच शुरुआत अधिसूचना में उल्लिखित निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाती है । उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए इस जांच को पूरा करने हेतु समय की कमी को देखते हुए समय बढ़ाने के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सका ।

**ख. विचाराधीन उत्पाद और घरेलू सामान वस्तु**

8. विचाराधीन उत्पाद 'सभी ग्रेडों और सभी सांद्रणों का फास्फोरिक एसिड (कृषि/उर्वरक ग्रेड को छोड़कर)' है। फास्फोरिक एसिड एक अकार्बनिक रसायन है जिसे सोडियम फास्फेट, कैल्सियम फास्फेट, मैग्नीशियम फास्फेट, अमोनियम फास्फेट आदि के उत्पादन में प्रयुक्त किया जाता है। सम्बद्ध वस्तु को भेषजीय अनुप्रयोगों, पेयों, शुगर जूस क्लैरीफिकेशन तथा चीनी की रिफाइनिंग, फूड फास्फेट के विनिर्माण आदि में भी प्रयुक्त किया जा रहा है।

9. यद्यपि फास्फोरिक एसिड को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम में उपशीर्ष संख्या 28092010 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है, तथापि, विचाराधीन उत्पाद हेतु कोई विशिष्ट सीमाशुल्क वर्गीकरण नहीं है। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और इस जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

**मेसर्स येओऊ एफए केमिकल कं. लि०, ताइवान द्वारा किए गए निवेदन**

10. कंपनी ने प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत अपने घोषणापत्र में अन्य बातों के साथ-साथ यह दावा किया है कि सम्बद्ध वस्तुओं के उत्पादन की उनकी प्रक्रिया एक शुष्क विधि है जो घरेलू उद्योग की वेट विधि से भिन्न है और उन्होंने अपनी फास्फोरिक एसिड शुद्धिकरण प्रक्रिया को पेटेंट कराया है और इस प्रकार उनकी लागत संरचना घरेलू उद्योग की लागत संरचना से तुलनीय नहीं है। यह भी तर्क प्रस्तुत किया गया है कि सम्बद्ध वस्तुओं को प्रयोक्ताओं द्वारा अनुप्रयोग के अनुसार विभिन्न बाजार क्षेत्रों में श्रेणीबद्ध किया जाना चाहिए। आगे यह भी कहा गया है कि आवेदन में उन्हें सम्बद्ध वस्तुओं के ज्ञात निर्यातक के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया गया है और उन्होंने कहा है कि वह संबंधित सूचना निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपेक्षित होने पर ही प्रस्तुत करेंगे।

**प्राधिकारी द्वारा जांच**

11. कंपनी द्वारा प्रस्तुत निवेदनों का अध्ययन किया गया और यह पाया गया कि कंपनी ने निर्धारित प्रपत्र के अनुसार निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए बिना केवल कुछेक कागजात प्रस्तुत किए हैं, जिनमें निर्यात बिक्री और घरेलू बिक्री का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया है।

12. उनके द्वारा किए गए निवेदन के उत्तर में प्राधिकारी ने दिनांक 6 अप्रैल, 2011 के अपने पत्र द्वारा अन्य बातों के साथ कंपनी को सूचित किया कि उनके इस दावे के प्रमाण के लिए कि वह भारत में सम्बद्ध वस्तुओं का पाटन नहीं कर रहे हैं, उन्हें निर्धारित प्रारूप में निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाती है। पत्र के साथ एक प्रश्नावली भी संलग्न की गई थी और यह भी स्पष्ट किया गया था कि इसे विभाग की वेबसाइट [www.commerce.nic.in](http://www.commerce.nic.in) से डाउनलोड किया जा सकता है।

इस पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया था कि अपेक्षित सूचना/आंकड़ों के अभाव में प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार अपने जांच परिणाम उपलब्ध तथ्यों के आधार पर दर्ज करने हेतु बाध्य होंगे ।

13. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उपर्युक्त स्पष्टीकरण के बावजूद कंपनी ने अपेक्षित सूचना/आंकड़े उपलब्ध नहीं कराये हैं । चूंकि कंपनी अपने दावे का प्रमाण देने में असफल रही है और उसमें निर्धारित प्रपत्र में उत्तर प्रस्तुत नहीं किए अतः प्राधिकारी रिकार्ड में 'उपलब्ध तथ्यों' के आधार पर जांच आगे बढ़ाने हेतु बाध्य हैं ।

### समान वस्तु

#### घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

14. आवेदक ने दावा किया है कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु और सम्बद्ध देशों से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के बीच कोई ज्ञात उल्लेखनीय अंतर नहीं है । भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु और सम्बद्ध देशों से आयातित सम्बद्ध वस्तु अपनी भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्यों तथा उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, वितरण एवं विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के रूप में परस्पर तुलनीय है । दोनों तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है । उपभोक्ता इनका प्रयोग एक दूसरे के स्थान पर कर रहे हैं । यद्यपि, विश्व भर के फास्फोरिक एसीड उत्पादक मोटे तौर पर दो पद्धतियां अर्थात् वेट प्रक्रिया अथवा ड्राई प्रक्रिया अपनाते हैं परन्तु आवेदक की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार दोनों की प्रौद्योगिकी और उत्पादन प्रक्रिया तुलनीय है ।

#### प्राधिकारी द्वारा जांच

15. जहां तक समान वस्तु का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (घ) में निम्नानुसार उपबंधित है :—

“समान वस्तु” से वह वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पाटित की जा रही जांचाधीन वस्तु से सभी मामलों में एकसमान अथवा समान हैं अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य वस्तु प्रयुक्त की जाती है जो यद्यपि सभी रूप में समान नहीं हैं परंतु उसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तु से बहुत मिलती जुलती हैं;

16. ‘समान वस्तु’ के संबंध में घरेलू उद्योग के दावे का किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने खंडन नहीं किया है । रिकार्ड में उपलब्ध सूचना पर विचार करने के बाद प्राधिकारी का अभिमत है कि सम्बद्ध देशों से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद रासायनिक विशेषताओं, कार्यों एवं उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों,

वितरण एवं विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के रूप में आयातित सम्बद्ध उत्पाद के साथ तुलनीय है। दोनों तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं।

17. इस प्रकार प्राधिकारी का विचार है कि पाटनरोधी नियमावली के अनुसार आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है।

#### ग. घरेलू उद्योग का दायरा एवं स्थिति

18. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है :-

“घरेलू उद्योग” से समान वस्तु के विनिर्माण तथा उससे जुड़े किसी अन्य कार्यकलाप में संलग्न सभी घरेलू उत्पादक अथवा वे उत्पादक जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक प्रमुख अनुपात बनता है, अभिप्रेत हैं, सिवाय तब जब ऐसे उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित हों अथवा स्वयं उसके आयातक हों, ऐसे मामले में ‘घरेलू उद्योग’ में केवल शेष उत्पादकों को शामिल माना जाएगा।”

19. यह आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से मेसर्स गुजरात अल्कलीज एंड केमिकल्स लि०, बड़ौदा ने प्रस्तुत किया है और मेसर्स पंजाब केमिकल्स एंड क्राप प्रोटेक्शन लि० ने इसका समर्थन किया है। रिकार्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार आवेदक का कुल भारतीय उत्पादन में योगदान लगभग 45 प्रतिशत है और इस प्रकार आवेदक का उत्पादन घरेलू उत्पादन का एक प्रमुख अनुपात बनता है। इसके अलावा, समर्थक के साथ आवेदक का उत्पादन, भारतीय उत्पादन से 50 प्रतिशत अधिक है।

20. इस प्रकार यह आवेदन पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) की अपेक्षाओं को पूरा करता है और आवेदक को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर ‘घरेलू उद्योग’ माना जा रहा है।

#### घ. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन

##### सामान्य विधि

21. प्राधिकारी ने नोट किया है कि जांच अवधि के दौरान प्रमुख कच्चे माल की कीमतों में उल्लेखनीय अंतर आया है, अतः सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा परिणामी पाटन मार्जिन का निर्धारण माहवार विश्लेषण के आधार पर किया गया है। इसके अलावा, व्यवहार्य सीमा तक सम्बद्ध वस्तुओं के विभिन्न ग्रेडों के अंतर को ध्यान में रखते हुए भी विश्लेषण किया गया है।



## इस्राइल और ताइवान के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण

22. प्राधिकारी ने सम्बद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली भिजवाई थी, जिसमें उनसे निर्धारित प्रारूप तथा तरीके से सूचना प्रस्तुत करने की सलाह दी गई थी ।

इस मामले में केवल मेसर्स इस्राइल केमिकल लि०, इस्राइल ने ही निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं ।

### मेसर्स इस्राइल केमिकल लि०, इस्राइल

23. कंपनी द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर का अध्ययन किया गया । यह कहा गया है कि कंपनी केवल खाद्य ग्रेड के फास्फोरिक का उत्पादन करती है और यदि तकनीकी ग्रेड की मांग होती है तो इसे तकनीकी ग्रेड के रूप में खाद्य ग्रेड की आपूर्ति से पूरा किया जाता है । आगे यह भी कहा गया है कि यद्यपि वस्तुओं का उत्पादन और बिक्री घरेलू बाजार हेतु की जाती है और भारत को निर्यातित वस्तुएं समान हैं, परंतु उनके सांद्रण स्तर में अंतर होता है । यह नोट किया गया है कि प्राधिकारी को व्यापार की सामान्य पद्धति संबंधी परीक्षण करने में समर्थ बनाने हेतु कंपनी ने संबंधित परिशिष्टों में आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए थे । तदनुसार, एक पत्र के माध्यम से कंपनी से अपेक्षित सूचना/आंकड़े उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था ।

24. तथापि, यह नोट किया जाता है कि अवसर प्रदान किए जाने के बावजूद कंपनी ने प्रासंगिक सूचना निर्धारित समय के भीतर उपलब्ध नहीं कराई है । अतः प्राधिकारी कंपनी की घरेलू बिक्री के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने में समर्थ नहीं है और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार इसे 'उपलब्ध तथ्यों' के आधार पर करने हेतु बाध्य है ।

### असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण

25. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस्राइल तथा ताइवान के किसी अन्य निर्यातक/उत्पादक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है अतः उनके मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण 'उपलब्ध तथ्यों' के आधार पर किया गया है । तदनुसार, सामान्य मूल्य सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर संरचित किया गया है । इस प्रयोजनार्थ कच्चे माल अर्थात् रॉक फास्फेट एवं हाइड्रोजन परॉक्साइड की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर विचार किया गया है, जबकि खपत संबंधी मानदंड एवं परिवर्तन लागत को रिकार्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के अनुसार अपनाया गया है । इसके अलावा, संरचित सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु 5 प्रतिशत की लाभ की गुंजाइश को जोड़ दिया गया है और इस प्रकार सामान्य मूल्य इस्राइल हेतु \*\*\* अम. डालर तथा ताइवान हेतु \*\*\* अम. डालर बनता है ।

## ड. निर्यात कीमत

### प्रतिवादी निर्यातकों हेतु निर्यात कीमत

मेसर्स रोटेम एमफर्ट नेगेव लि० के माध्यम से मेसर्स इस्राइल केमिकल लि०, इस्राइल

26. प्राधिकारी ने यह जांच की कि क्या प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रश्नावली के उत्तरों के आधार पर प्रतिवादी निर्यातकों हेतु निर्यात कीमतों का निर्धारण किया जा सकता है। आगे जांच एवं सत्यापन के अध्यक्षीन प्रतिवादी द्वारा दावा की गई निर्यात कीमतों पर विचार किया गया है। प्रतिवादी ने भारत को किए गए निर्यातों के संबंध में परिशिष्ट 2 में सूचना उपलब्ध कराई है। कंपनी ने जांच अवधि के दौरान भारत को \*\*\* मी०टन सम्बद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। अंतर्देशीय माल भाड़े, समुद्रपारीय माल भाड़े, कमीशन, भंडारण, पैकेजिंग लागत, समुद्री बीमे, आईसीएल शुल्क, ऋण लागत तथा छूट के संबंध में समायोजनों का दावा किया गया है और इसे आगे जांच एवं सत्यापन के अध्यक्षीन अनंतिम रूप से स्वीकार किया जा रहा है। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि कंपनी को वैट की वापसी प्राप्ति नहीं होती है, अतः आगे जांच एवं सत्यापन के अध्यक्षीन इस संबंध में भी अनंतिम आधार पर समायोजन किया गया है। इस प्रकार निर्धारित निवल निर्यात कीमत \*\*\*अम.डालर/मी०टन बनती है।

### असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों हेतु निर्यात कीमत का निर्धारण

27. चूंकि सम्बद्ध वस्तुओं के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है अतः प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार निर्यात कीमत का निर्धारण 'उपलब्ध तथ्यों' के आधार पर किया है। रिकार्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार आंकड़ों को तालिकाबद्ध किया गया है। तदनुसार, इस्राइल के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों हेतु निवल निर्यात कीमत \*\*\*अम. डालर/मी०टन बनती है। इसके अलावा, ताइवान के उत्पादकों/निर्यातकों हेतु निवल निर्यात कीमत \*\*\*अम. डालर/मी०टन बनती है।

## च. पाटन मार्जिन

28. ऊपर यथानिर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमतों पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है, जो निम्नानुसार हैं :

अम.डालर/मी0टन में

| क्र.सं. | देश     | उत्पादक                                | निर्यातक                           | सामान्य मूल्य | निवल निर्यात कीमत | पाटन मार्जिन | पाटन मार्जिन का प्रतिशत—रेंज |
|---------|---------|--|------------------------------------|---------------|-------------------|--------------|------------------------------|
| 1.      | इस्राइल | मेसर्स<br>रोटेम<br>एमफर्ट<br>नेगेव लि0 | मेसर्स<br>इस्राइल<br>केमिकल<br>लि0 | ***           | ***               | ***          | 35-45                        |
| 2.      | इस्राइल | अन्य सभी<br>निर्यातक<br>/उत्पाद<br>क   |                                    | ***           | ***               | ***          | 40-50                        |
| 3.      | तइवान   | सभी<br>निर्यातक<br>/उत्पाद<br>क        |                                    | ***           | ***               | ***          | 15-25                        |

### छ. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

29. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान प्रमुख कच्चे माल के कीमतों में उल्लेखनीय अंतर आया है, अतः क्षति विश्लेषण व्यवहार्य समझी गई सीमा तक माहवार आंकड़ों के आधार पर किया गया है। इसके अलावा, ऐसा करते समय सम्बद्ध वस्तुओं के विभिन्न ग्रेडों के अंतर पर भी विधिवत विचार किया गया है।

### घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

30. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित निवेदन किए हैं :—

- जब वर्ष 2008-09 में पहली बार सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तुओं के आयात किए गए थे, प्रस्तावित जांच अवधि में उनकी मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी।
- आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कीमत कटौती हो रही है।
- कीमत कटौती की परिणति कीमत अवमूल्यन में हो रही है जो उत्पादन लागत में गिरावट से भी अधिक है।
- प्रस्तावित जांच अवधि में, जब आयातों में अत्यधिक वृद्धि देखी गई, तब उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से, लाभ, निवेश से आय, नकद प्रवाह तथा माल सूचियों के रूप में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट आई।

- (v) घरेलू उद्योग पाटन के पिछले प्रभावों से उबरने की प्रक्रिया में था । इस उत्पाद के नए पाटन से उबरने की प्रक्रिया रुक गई है । उद्योग को पहले कोरिया से पाटन का सामना करना पड़ा था । उद्योग को अब सम्बद्ध देशों से पाटन का फिर सामना करना पड़ रहा है ।
- (vi) चीन और कोरिया गणराज्य से किए गए आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में सुधार प्रत्याशित था । मूल्य से संबंधित मानदंडों के रूप में कार्य निष्पादन में सुधार वर्ष 2008-09 में कुछ समय तक हुआ भी था । परंतु इसमें वर्ष 2009-10 में फिर गिरावट आई ।
- (vii) वर्तमान अवधि के दौरान कार्य निष्पादन में आई गिरावट वास्तविक है और अत्यधिक है ।
- (viii) घरेलू उद्योग को पहले से हुई वास्तविक क्षति के अतिरिक्त सम्बद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति के खतरे का सामना करना पड़ रहा है ।

### संचयी आकलन

31. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (iii) में यह प्रावधान है कि यदि एक से अधिक देशों के उत्पाद के आयातों की जांच एक साथ की जा रही हो तो निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करेंगे, यदि यह निर्धारण हो जाता है कि

(क) प्रत्येक देशों से आयातों के लिए निश्चित पाटन की मार्जिन निर्यात कीमत को प्रतिशत के रूप में व्यक्त करने पर तीन प्रतिशत (अथवा अधिक) हो तथा प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों के तीन प्रतिशत से अधिक हो अथवा जहां अलग-अलग देशों द्वारा निर्यात तीन प्रतिशत से कम हो, संचयी आयात समान वस्तु के आयातों से सात प्रतिशत से अधिक हो और

(ख) आयातित वस्तु और घरेलू समान वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों के कारण आयातों के संचयी प्रभाव का आकलन करना उचित हों ।

32. प्राधिकारी नोट करते हैं कि :-

- भारत में सम्बद्ध वस्तुओं का पाटन अनेक देशों से किया जा रहा है ।
- प्रत्येक सम्बद्ध देश से पाटन मार्जिन निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- प्रत्येक सम्बद्ध देश से आयातों की मात्रा निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है;

- आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन किया जाना उचित है, क्योंकि सम्बद्ध देशों के निर्यात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध समान वस्तुओं के साथ प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं जो निम्नलिखित से स्पष्ट हैं :-

क. सम्बद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा विनिर्मित उत्पादों तथा आवेदक द्वारा विनिर्मित उत्पादों की विशेषताएं तुलनीय हैं । दूसरे शब्दों में विभिन्न सम्बद्ध देशों द्वारा आपूर्तित वस्तुएं और घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्तित वस्तुएं पारस्परिक रूप से समान वस्तुएं हैं ।

ख. विभिन्न स्रोतों से आयातित सम्बद्ध वस्तुओं तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं का प्रयोग करने वाली पार्टियां सामान्य हैं । आयातित तथा घरेलू सम्बद्ध वस्तुओं, दोनों का प्रयोग एक दूसरे के स्थान पर किया जा रहा है और घरेलू उत्पाद तथा आयातित उत्पाद के बीच प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा है और आयातित उत्पाद उनके अनुरूप हैं ।

ग. सम्बद्ध देशों के निर्यातकों और घरेलू उद्योग ने उत्पाद की बिक्री समान अवधि के दौरान समान किस्म के ग्राहकों को की है । बिक्री के माध्यम भी तुलनीय हैं ।

घ. प्रत्येक सम्बद्ध देश से आयातों की मात्रा अत्यधिक है ।

33. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का विचार है कि सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तुओं के निर्यातों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी आकलन किया जाना उचित होगा ।

### क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच

34. अनुबंध II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति जांच में "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी प्रासंगिक तथ्यों पर विचार करते हुए....." उन कारकों जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चलता है की जांच अंतर्ग्रस्त होगी । कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करनी आवश्यक समझी गई है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा उल्लेखनीय कीमत कटौती की गई है, अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों को उल्लेखनीय स्तर तक कम करने अथवा कीमत वृद्धि को रोकने के लिए है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती ।

35. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उन संकेतकों जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है यथा उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली तथा पाटन मार्जिन पर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध- 11 के अनुसार विचार किया गया है ।

क) पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

मांग एवं बाजार हिस्सा

36. देशों में इस उत्पाद की मांग का आकलन घरेलू उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से हुए आयातों के मांग के रूप में किया गया है ।

| विवरण   | इकाई    | 2006-07  | 2007-08  | 2008-09  | जांच अवधि<br>अप्रैल 2009<br>— जून 2010 | जंच अवधि<br>(वार्षिकीकृत) |
|---|---------|----------|----------|----------|--|---------------------------|
| आयात—<br>आईबीआईएस<br>आंकड़ों के<br>अनुसार                 |         |          |          |          |  |                           |
| मात्रा (मी०टन)  |         |          |          |          |  |                           |
| इस्राइल   | (मी०टन) | कुछ नहीं | कुछ नहीं | कुछ नहीं | 9243                                   | 7394                      |
| ताइवान  | (मी०टन) | कुछ नहीं | कुछ नहीं | 233      | 4776                                   | 3821                      |
| देश जिन पर<br>शुल्क लागू है                               | (मी०टन) | 4150     | 17877    | 12935    | 9797                                   | 7838                      |
| अन्य देश  | (मी०टन) | 429      | 252      | 842      | 1177                                   | 942                       |
| कुल आय  | (मी०टन) | 4579     | 18129    | 14010    | 24993                                  | 19995                     |
| सहायक<br>घरेलू<br>उत्पादक के<br>साथ आवेदक<br>घरेलू उद्योग | (मी०टन) | 27679    | 30292    | 22353    | 28595                                  | 22876                     |
| अन्य घरेलू<br>उत्पादक                                     | (मी०टन) | 29332    | 27954    | 23765    | 26937                                  | 21550                     |
| कुल   | (मी०टन) | 57011    | 58246    | 46118    | 55532                                  | 44426                     |
| कुल मांग  | (मी०टन) | 61590    | 76375    | 60128    | 80505                                  | 64421                     |

37. नोट किया जाता है कि उत्पाद की मांग में आधार वर्ष की तुलना में 2007-08 की अवधि में अत्यधिक वृद्धि हुई थी और तत्पश्चात् 2008-09 की अवधि में इसमें गिरावट आई और उसके बाद जांच अवधि के दौरान इसमें फिर वृद्धि हुई । तथापि, मांग में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई ।

#### आयातों की मात्रा तथा बाजार हिस्सा

38. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी से यह विचार करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या निरपेक्ष रूप में अथवा भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में पाटित आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है ।

39. प्राधिकारी ने सम्बद्ध वस्तुओं से संबंधित आयातों के ब्यौरे हेतु डीजीसीआई एंड एस कार्यालय से अनुरोध किया था परंतु अब तक अपेक्षित सूचना प्राप्त नहीं हुई है । आवेदक ने भारत में सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों के बारे में सूचना उपलब्ध कराई है जो वर्ष 2006-07, 2007-08, 2008-09 तथा जांच अवधि हेतु आईबीआईएस आंकड़ों पर आधारित है । इस प्रकार आईबीआईएस द्वारा सूचित आयातों की मात्रा पर विचार किया गया है । इसके अलावा, प्राधिकारी को इस्राइल के एक उत्पादक/निर्यातक से उत्तर प्राप्त हुआ है । भारत में आयातित सम्बद्ध वस्तुओं की कुल मात्रा के निर्धारण हेतु रिकार्ड में उपलब्ध आंकड़ों को तालिकाबद्ध तथा संकलित किया गया है ।

40. यह देखा गया है कि सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों में जांच अवधि के दौरान अत्यधिक वृद्धि हुई है :

| विवरण                                    | इकाई  | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | जांच अवधि<br>अप्रैल 2009<br>- जून 2010 | जांच अवधि<br>(वार्षिकीकृत) |
|--|-------|---------|---------|---------|--|----------------------------|
| आयात<br>आईबीआईएस<br>आंकड़ों के<br>अनुसार |       |         |         |         |  |                            |
| मात्रा<br>(मी0टन)                        |       |         |         |         |  |                            |
| इस्राइल                                  | मी0टन | शून्य   | शून्य   | शून्य   | 9243                                   | 7394                       |
| ताइवान                                   | मी0टन | शून्य   | शून्य   | 233     | 4776                                   | 3821                       |
| देश जिस<br>पर शुल्क<br>लागू है           | मी0टन |         |         |         |  | 7838                       |
|  |       | 4150    | 17877   | 12935   | 9797                                   |                            |
| अन्य देश                                 | मी0टन | 429     | 252     | 842     | 1177                                   | 942                        |
| कुल आयात                                 | मी0टन | 4579    | 18129   | 14010   | 24993                                  | 19995                      |

ख) आधार वर्ष की तुलना में भारत में उत्पादन तथा खपत के मुकाबले सम्बद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हुई है ।

|   | इकाई | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | जांच अवधि<br>अप्रैल 2009 –<br>जून 2010 |
|---|------|---------|---------|---------|--|
| भारतीय उत्पादन की तुलना में<br>पाटित आयात | %    | 0       | 0       | 0.48    | 25.10                                  |
| भारत में मांग की तुलना में<br>पाटित आयात  | %    | 0       | 0       | 0.38    | 16.89                                  |

ग) सम्बद्ध देशों के बाजार हिस्से में जहां वृद्धि हुई है, वहीं भारतीय उत्पादकों के हिस्से में गिरावट आई है ।

| मांग में बाजार   |   | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | जांच अवधि अप्रैल<br>2009 – जून<br>2010 |
|--|---|---------|---------|---------|--|
| हिस्सा   | % | 43.78   | 37.97   | 36.06   | 33.88                                  |
| याचिकाकर्ता  | % | 1.16    | 1.69    | 1.12    | 1.64                                   |
| समर्थक   | % | 47.62   | 36.60   | 39.52   | 33.46                                  |
| अन्य भारतीय<br>उत्पादक                                 | % | -       | -       | 0.39    | 17.41                                  |
| सम्बद्ध देश देश<br>जिन पर<br>पाटनरोधी शुल्क<br>लागू है | % | 6.74    | 23.41   | 21.51   | 12.17                                  |
| अन्य देश   |   | 0.70    | 0.33    | 1.40    | 1.44                                   |
| कुल  | % | 100     | 100     | 100     | 100                                    |

41. उपर्युक्त तालिका से देखा जा सकता है कि सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई है; जबकि घरेलू उद्योग के हिस्से में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है । सम्बद्ध देशों से आयातों का हिस्सा जो आधार वर्ष के दौरान शून्य था, जांच अवधि के दौरान बढ़कर 17.41 प्रतिशत हो गया था ।

#### आयातों का कीमत प्रभाव

42. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है प्राधिकारी से यह विचार करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे



आयातों का उद्देश्य कीमतों में अत्यधिक स्तर तक मन्दी लाना अथवा कीमत वृद्धि को रोकना था जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक हुई होती । यह देखा गया है कि सम्बद्ध देशों से हुए आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमतों से बहुत कम है, जिसकी परिणति उल्लेखनीय कीमत कटौती में हुई है । इसकी स्थिति निम्नानुसार है :-

|                      | इकाई        | इस्राइल | ताइवान |
|----------------------|-------------|---------|--------|
| निवल बिक्री प्राप्ति | रुपये/मी०टन | ***     | ***    |
| पहुंच मूल्य          | रुपये/मी०टन | ***     | ***    |
| कीमत कटौती           | रुपये/मी०टन | ***     | ***    |
| कीमत कटौती           | रेंज (%)    | 5-15    | 15-25  |

43. बिक्री की लागत और निवल बिक्री कीमत से संबंधित आंकड़ों के अवलोकन से ज्ञात होता है कि यदि आधार वर्ष से संबंधित आंकड़ों की तुलना जांच अवधि से संबंधित आंकड़ों से की जाए तो प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग को किसी कीमत मंदी/ह्रास का सामना नहीं करना पड़ा है । तथापि, यदि बिक्री की लागत और निवल बिक्री कीमत को 2008-09 की अवधि के बरक्स देखा जाए तो जांच अवधि के दौरान अत्यधिक कीमत मंदी का मामला बनता प्रतीत होता है, क्योंकि यह नोट किया गया है कि बिक्री की लागत में 23 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि निवल बिक्री कीमत में लगभग 29 प्रतिशत की गिरावट आई ।

|                     | इकाई            | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | जांच अवधि अप्रैल<br>2009 - जून<br>2010 |
|---------------------|-----------------|---------|---------|---------|--|
| बिक्री की लागत      | रुपये/मी०<br>टन | ***     | ***     | ***     | ***                                    |
| प्रवृत्ति           | सूचकांक         | 100     | 99.72   | 189     | 145                                    |
| निवल बिक्री<br>कीमत | रुपये/मी०<br>टन | ***     | ***     | ***     | ***                                    |
| प्रवृत्ति           | सूचकांक         | 100     | 114     | 225     | 159                                    |

44. घरेलू उद्योग से संबंधित क्षति संबंधी अन्य मानदंड निम्नानुसार है :-

#### बिक्री की मात्रा

45. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा का विश्लेषण किया गया, जिसका ब्यौरा निम्नानुसार है:-

| घरेलू बिक्री मात्रा<br>(मी०टन)                          | इकाई  | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | जांच<br>अवधि<br>अप्रैल<br>2009 –<br>जून 2010 | जांच अवधि<br>(वार्षिकीकृत) |
|---|-------|---------|---------|---------|--|----------------------------|
| घरेलू उद्योग के<br>आवेदक                                | मी०टन | 26965   | 28997   | 21682   | 27273  | 21818                      |
| समर्थक घरेलू<br>उत्पादक                                 | मी०टन | 714     | 1295    | 671     | 1322   | 1058                       |
| समर्थक घरेलू<br>उत्पादकों सहित<br>आवेदक घरेलू<br>उद्योग | मी०टन | 27679   | 30292   | 22353   | 28595  | 22876                      |
| अन्य घरेलू<br>उत्पादक                                   | मी०टन | 29332   | 27954   | 23765   | 26937  | 21550                      |
| कुल   | मी०टन | 57011   | 58246   | 46118   | 55532  | 44426                      |

46. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में उल्लेखनीय गिरावट आई है, जबकि इसमें 2008-09 अवधि की तुलना में मामूली वृद्धि हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि बिक्री की मात्रा में गिरावट क्षति अवधि के दौरान देश में सम्बद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि के बावजूद आई थी।

#### क्षमता एवं क्षमता उपयोग

|  | क्षमता | उत्पादन | क्षमता उपयोग |
|--|--------|---------|--------------|
| इकाई                                   | मी०टन  | मी०टन   | %            |
| 2006-07                                | ***    | ***     | 90           |
| 2007-08                                | ***    | ***     | 99           |
| 2008-09                                | ***    | ***     | 84           |
| जांच अवधि अप्रैल<br>2009 – जून<br>2010 | ***    | ***     | 74           |
| जांच अवधि<br>(वार्षिकीकृत)             | ***    | ***     | 74           |

47. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान क्षमता जहां स्थिर बनी रही थी, आधार वर्ष की तुलना में 2007-08 अवधि के दौरान आवेदक घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि हुई परंतु तत्पश्चात इसमें अत्यधिक गिरावट आई। क्षमता उपयोग आधार वर्ष में 90 प्रतिशत से घटकर जांच अवधि के दौरान 74 प्रतिशत रह गया था। घरेलू उद्योग ने चीन जन गण से सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण 2007-08 अवधि में सकारात्मक प्रवृत्ति का दावा किया था।

48. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में सम्बद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि के साथ घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में सामान्यतः वृद्धि होनी चाहिए थी; जबकि इसमें गिरावट देखी गई है। यह देख लिया गया है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन में 18 प्रतिशत की गिरावट आई; जबकि इसकी बिक्री में 17 प्रतिशत की गिरावट आई जाहिर है कि घरेलू उद्योग अपनी उत्पादन क्षमता का उपयोग करने में समर्थ नहीं रहा और इसका क्षमता उपयोग जांच अवधि के दौरान सबसे कम स्तर पर रहा था।

### कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

49. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में कीमत कटौती हो रही थी।

|   |              | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | जांच अवधि<br>अप्रैल 2009 –<br>जून 2010 |
|---|--------------|---------|---------|---------|--|
| विनिर्माण एवं बिक्री की लागत            | रु/मी0ट<br>न | ***     | ***     | ***     | ***                                    |
| प्रवृत्ति                               | सूचीबद्ध     | 100     | 99      | 189     | 145                                    |
| निवल बिक्री कीमत                        | रु/मी0ट<br>न | ***     | ***     | ***     | ***                                    |
| प्रवृत्ति                               | सूचीबद्ध     | 100     | 114     | 225     | 159                                    |
| लाभ / (घाटा)                            | रु/मी0ट<br>न | (***)   | (***)   | ***     | (***)                                  |
| प्रवृत्ति                               | सूचीबद्ध     | (100)   | (4)     | 49      | (55)                                   |
| पाटित आयातों की पहुंच कीमत—न<br>इस्राइल | रु/मी0ट<br>न |         |         |         | ***                                    |
| पाटित आयातों की पहुंच कीमत—न<br>ताइवान  | रु/मी0ट<br>न |         |         |         | ***                                    |

50. यह देखा गया है कि जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत से बहुत कम है, इस प्रकार उल्लेखनीय कीमत कटौती हो रही है। आंकड़ों के अवलोकन से यह भी ज्ञात होता है कि आधार वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमतों में इसकी बिक्री की लागत के मुकाबले अधिक वृद्धि हुई। तथापि, घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि चीन जन गण और कोरिया गणराज्य से सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से उत्पन्न कुछ प्रतिबंध के कारण वर्ष 2007-08 और 2008-09 के दौरान सकारात्मक प्रवृत्ति दिखाई देती है।

#### लाभ/घाटा, निवेश से आय और नकद लाभ

51. जहां तक लाभ/घाटे, निवेश से आय और नकद लाभ का संबंध है, स्थिति का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

|              |          | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | जांच अवधि<br>अप्रैल 2009 -<br>जून 2010 | जांच अवधि<br>वार्षिकीकृत |
|--------------|----------|---------|---------|---------|--|--------------------------|
| लाभ / (घाटा) | लाख रु   | (***)   | (***)   | ***     | (***)                                  | (***)                    |
| प्रवृत्ति    | सूचीबद्ध | (100)   | (4)     | 39      | (57)                                   | (45)                     |
| निवेश से आय  | %        | (***)   | ***     | ***     | (***)                                  | (***)                    |
| प्रवृत्ति    | सूचीबद्ध | (100)   | 16      | 70      | (52)                                   | (52)                     |
| नकद लाभ      | लाख रु   | (***)   | ***     | ***     | ***                                    | ***                      |
| प्रवृत्ति    | सूचीबद्ध | (100)   | 132     | 246     | 42                                     | 34                       |

52. यह देखा गया है कि आधार वर्ष 2006-07 के दौरान घरेलू उद्योग भारी घाटे का सामना कर रहा था। इस स्थिति में कुछ सुधार हुआ था, जब 2007-08 अवधि के दौरान घाटे में उल्लेखनीय कमी हुई थी। परंतु तत्पश्चात जांच अवधि के दौरान कार्य निष्पादन में अत्यधिक गिरावट आई, क्योंकि जांच अवधि के दौरान इसे भारी घाटा हुआ था। तथापि, घरेलू उद्योग के घाटे में उल्लेखनीय कमी आई और यह वार्षिकीकृत आधार पर आधार वर्ष के दौरान \*\*\*\* लाख रुपये से घटकर जांच अवधि के दौरान \*\*\*\* लाख रुपये रह गया। निवेश से आय और नकद लाभ की प्रवृत्ति भी लाभप्रदता की प्रवृत्ति के समान देखी गई। घरेलू उद्योग ने इस सुधार को जिन देशों में शुल्क लागू हैं, उनकी तुलना में सम्बद्ध वस्तुओं पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क का संकेत माना है।

#### मालसूचियां

53. मालसूचियों से संबंधित आंकड़ों का ब्यौरा निम्नानुसार है :-

|              | इकाई     | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | जांच अवधि<br>(अप्रैल 2009 –<br>जून 2010) |
|--------------|----------|---------|---------|---------|--|
| औसत<br>स्टॉक | मी०टन    | ***     | ***     | ***     | ***                                      |
| प्रवृत्ति    | सूचीबद्ध | 100     | 43      | 97      | 134                                      |

54. यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मालसूचियों में वृद्धि हुई है। यह प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग अपने उत्पाद की पूरी बिक्री नहीं करने में समर्थ नहीं था, जिसके परिणामस्वरूप मांग में वृद्धि के बावजूद मालसूचियों में वृद्धि हुई।

#### रोजगार, मजदूरी एवं उत्पादकता

55. रोजगार, मजदूरी एवं उत्पादकता से संबंधित आंकड़े निम्नानुसार हैं :-

|                                  | इकाई     | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | जांच अवधि<br>(अप्रैल 2009 –<br>जून 2010) | जांच अवधि<br>वार्षिकीकृत |
|----------------------------------|----------|---------|---------|---------|--|--------------------------|
| कर्मचारियों<br>की संख्या         | संख्या   | ***     | ***     | ***     | ***                                      | ***                      |
| प्रवृत्ति                        | सूचीबद्ध | 100     | 102     | 104     | 105                                      | 105                      |
| मजदूरी—                          | लाख रु   | ***     | ***     | ***     | ***                                      | ***                      |
| प्रवृत्ति                        | सूचीबद्ध | 100     | 116     | 128     | 228                                      | 182                      |
| मजदूरी प्रति<br>यूनिट<br>उत्पादन | रु/मी०टन | ***     | ***     | ***     | ***                                      | ***                      |
| प्रवृत्ति                        | सूचीबद्ध | 100     | 104     | 137     | 221                                      | 221                      |
| उत्पादकता<br>प्रति कर्मचारी      | मी०टन    | ***     | ***     | ***     | ***                                      | ***                      |
| प्रवृत्ति                        | सूचीबद्ध | 100     | 109     | 90      | 78                                       | 78                       |

56. यह देखा गया है क्षति अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या में मामूली वृद्धि हुई। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान प्रति यूनिट उत्पादन की मजदूरी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई; जबकि इसी अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी उत्पादकता में गिरावट देखी गई। इसके अलावा, यह देखा गया है कि भुगतान की गई कुल मजदूरी में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है।

### पाटन मार्जिन

57. उपर्युक्त पाटन मार्जिन से संबंधित खण्ड से यह देखा जा सकता है कि सम्बद्ध देशों से संबंधित पाटन मार्जिन अत्यंत सकारात्मक है ।

### वृद्धि

58. यह नोट यिका जाता है कि मात्रा तथा कीमत संबंध मानदंडों की दृष्टि से घरेलू उद्योग की वृद्धि में गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है । दरअसल लाभप्रदता से संबंधित मानदंड आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान नकारात्मक हो गए हैं ।

### धनराशि जुटाने की क्षमता

59. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक एक बहुउत्पाद कंपनी है, अतः सम्बद्ध वस्तुओं के निष्पादन के आधार पर धनराशि जुटाने की इसकी क्षमता का आकलन उचित तरीके से किया जा सकता है ।

### वास्तविक क्षति संबंधी निष्कर्ष

60. सम्बद्ध वस्तुओं की मांग आधार वर्ष के दौरान 100 (सूचीबद्ध) से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 105 (सूचीबद्ध) हो गई है अर्थात् इसमें 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है । इसी अवधि के दौरान घरेलू बिक्री में 17 प्रतिशत की गिरावट आई है; इस प्रकार घरेलू उद्योग भारतीय बाजार में सम्बद्ध वस्तुओं की मांग में हुई वृद्धि का लाभ उठाने में समर्थ नहीं रहा है ।

61. यह देखा गया है कि आयातों में निरपेक्ष रूप से तथा भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है । आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कीमत कटौती हो रही है । आयातों में हुई उल्लेखनीय वृद्धि तथा आयातित एवं घरेलू उत्पाद के बीच कीमत में अन्तर के परिणास्वरूप आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादन, बिक्री की मात्रा, क्षमता उपयोग एवं बाजार हिस्से जैसे मानदंडों के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है । तथापि इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग कोहुए घाटे में कमी आई है और नकद लाभ तथा निवेश से प्राप्त आय में भी यही प्रवृत्ति देखी गई है । कुछेक मानदंडों में हुए सुधार को घरेलू उद्योग ने सम्बद्ध देशों, जिन पर पाटनरोधी शुल्क पहले से लगाया गया है, से सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी उपाय लगाए जाने का संकेत माना है ।

62. उपर्युक्त विश्लेषण यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

## कारणात्मक संबंध

63. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार प्राधिकारी से अन्य बातों के साथ पाटित आयातों को छोड़कर कि अन्य ज्ञात कारकों, जिसके कारण इस समय घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है, की जांच करने की अपेक्षा की जाती है ताकि इन अन्य कारणों से हुई क्षति को आयातों के कारण हुई क्षति न माना जाए । जो कारक इस संबंध में प्रासंगिक हैं, उनमें पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा एवं कीमतें, मांग में संकुचन अथवा खपत पद्धति में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां और विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में हुआ विकास एवं घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन तथा उत्पादकता शामिल हैं ।

64. इस बात की जांच की गई कि क्या पाटनरोधी नियमावली के अन्तर्गत सूचीबद्ध अन्य मानदंडों का घरेलू उद्योग को हुई क्षति में योगदान हो सकता है । यह नोट किया जाता है कि :-

(क) तीसरे देशों से आयात प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क पहले से लागू हैं उन्हें छोड़कर तीसरे देशों से हुए आयात नगण्य हैं और इन्हें घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई होगी ।

(ख) मांग में संकुचन : प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान मांग में कोई संकुचन नहीं हुआ है । इसके विपरीत आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं की समग्र मांग में सकारात्मक वृद्धि देखी गई है ।

(ग) खपत की पद्धति : खपत की पद्धति में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन न तो प्राधिकारी के ध्यान में आया है और न ही किसी हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई निवेदन किया है ।

(घ) प्रतिस्पर्धा की शर्तें : अब तक की गई जांच से यह नहीं देखा गया है कि प्रतिस्पर्धा की शर्तें अथवा व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां घरेलू उद्योग द्वारा किए गए क्षति के दावे के लिए उत्तरदायी हैं ।

(ङ.) प्रौद्योगिकी में हुआ विकास : अब तक की गई जांच से यह नहीं देखा गया है कि प्रौद्योगिकी में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ है, जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो ।

(च) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन : क्षति के वर्तमान आकलन हेतु प्राधिकारी ने घरेलू तथा निर्यात बाजार में कीमत व लाभप्रदता को अलग-अलग किया है । अतः निर्यात निष्पादन को शामिल करने की संभावना से क्षति का विश्लेषण प्रभावित नहीं होता है ।

65. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारकों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है तथापि निम्नलिखित मानदण्ड, पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के द्योतक हैं ।

- सम्बद्ध देशों से हुए सम्बद्ध वस्तुओं के आयात घरेलू उद्योग की कीमतों से कम कीमत पर उपलब्ध हैं । जाहिर है कि इसके परिणामस्वरूप उपभोक्ता आयातों की ओर रुख कर रहे हैं और इस प्रकार इसकी परिणति सामान्यतः भारतीय उत्पादकों तथा विशेष रूप से घरेलू उद्योग को बाजार हिस्से के नुकसान में हुई है ।
- घरेलू उद्योग को बिक्री की मात्रा का नुकसान हुआ है । इसके बाजार हिस्से में गिरावट आई है जबकि सम्बद्ध देशों के आयातों के बाजार हिस्से में बढ़ोत्तरी हुई है ।
- घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आई गिरावट के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में उल्लेखनीय गिरावट आई है । जाहिर है कि इन मानदंडों में गिरावट पाटित आयातों की उपस्थिति की वजह से आई है ।
- पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कीमत कटौती हो रही है । यदि पूर्ववर्ती वर्ष की निवल बिक्री कीमतों से तुलना की जाए तो अत्यधिक कीमत मंदी का मामला भी बनता है । इसके अलावा लाभ, निवेश से आय तथा नकद प्रवाह के रूप में भी घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन संतोषजनक नहीं है । यदि पूर्ववर्ती वर्ष के कार्य निष्पादन से तुलना की जाए तो कार्य निष्पादन में अत्यधिक गिरावट आई है ।

66. प्राधिकारी का अभिज्ञात है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है ।

#### क्षति की सीमा तथा क्षति मार्जिन :

67. प्राधिकारी ने सम्बद्ध वस्तुओं के विभिन्न ग्रेडों के संबंध में घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग के लिए उनकी क्षति-रहित कीमत का निर्धारण किया है । क्षति की मार्जिन के निर्धारण हेतु घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की तुलना सम्बद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमत से की गई है । क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है :

| उत्पादक/निर्यातक                    | क्षति मार्जिन अम.डालर प्रति<br>किग्रा | क्षति मार्जिन %-रेंज |
|-------------------------------------|---------------------------------------|----------------------|
| आईसीएल                              | ***                                   | 55-65                |
| इस्राइल के अन्य<br>निर्यातक/उत्पादक | ***                                   | 65-75                |
| ताइवान के अन्य<br>निर्यातक/उत्पादक  | ***                                   | 30-40                |



**ज. निष्कर्ष**

68. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच के बाद और रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि :-

(क) सम्बद्ध देशों से भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात सम्बंधित सामान्य मूल्य से कम पर किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पाद का पाटन हो रहा है ।

(ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

(ग) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है ।

**ज. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे**

69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन, सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों द्वारा घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली तथा उचित प्रतिस्पर्धा को पुनः बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपायों के लागू किए जाने से संबद्ध देशों से आयातों में किसी प्रकार से बाधा नहीं पहुंचेगी तथा इसलिए उपलभोक्ताओं हेतु उत्पादों की उपलब्धता पर कोई प्रभाव पड़ेगा ।

70. इस बात को स्वीकार किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्कों के अधिरोपण से सम्बद्ध वस्तुओं के प्रयोग से विनिर्मित उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है और इसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की पारस्परिक प्रतिस्पर्धात्मकता पर भी कुछ प्रभाव पड़ सकता है तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी, विशेषरूप से यदि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण उस राश तक प्रतिबंधित रखा जाए जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निवारण हेतु आवश्यक है । इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय लगाने से पाटन की पद्धतियों द्वारा प्राप्त अनुचित लीजा को दूर किया जाएगा, घरेलू उद्योग की गिरावट पर रोक लगेगी और उपभोक्ताओं को सम्बद्ध वस्तुओं के व्यापक विकल्प की उपलब्धता को बनाए रखने में मदद मिलेगी ।

**ज. सिफारिशें**

71. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत के संबंध में सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया था तथा निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था कि वे अन्य बातों के साथ पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंधों के विभिन्न पहलुओं के विषय में सकारात्मक जानकारी उपलब्ध करवा सकें । निर्धारित नियमों के संदर्भ में पाटन, क्षति एवं पाटन एवं घरेलू

उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों के बारे में जांच प्रारंभ करने तथा प्रारंभिक जांच परिणाम कानिर्धारण करने; तथा संबद्ध देशों के विरुद्ध अनंतिम रूप से सकारात्मक पाटन मार्जिन का निर्धारण करने तथा इस निष्कर्ष पर पहुंचने के पश्चात् की घरेलू उद्योग को ऐसे पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है, प्राधिकारी का यह मत है कि जांच के दौरान घरेलू उद्योग को हो रही क्षति से बचाव के लिए अनंतिम उपाय लागू किया जाना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में अनंतिम पाटनरोधी शुल्क को लागू किया जाना आवश्यक समझते हैं और नीचे उल्लिखित स्वरूप एवं पद्धति इसको लागू करने की सिफारिश करते हैं।

72. प्राधिकारी द्वारा कम शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त किया जा सके। तदनुसार, केन्द्र सरकार द्वारा इन संस्तुतियों को स्वीकार किए जाने की स्थिति में केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की गई अधिसूचना की तारीख से, संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर संलग्न शुल्क तालिका के कॉलम 8 में दी गई राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश की गई है।

| क्र. सं. | शीर्ष / उप शीर्ष | वस्तु का विवरण   | उद्गम का देश | निर्यात का देश | उत्पादक   | निर्यातक                    | शुल्क राशि अम.डालर प्रति मी0टन में |
|----------|------------------|--|--------------|----------------|---|-----------------------------|------------------------------------|
| (1)      | (2)              | (3)  | (4)          | (5)            | (6)   | (7)                         | (8)                                |
| 1        | 2809-2010        | सभी ग्रेडों और सांद्रणों का फास्फोरिक एसिड (कृषि / उर्वरक ग्रेड को छोड़कर) | इस्राइल      | इस्राइल        | मैसर्स रोटेम एमफर्ट नेगेव लि0                               | मैसर्स इस्राइल केमिकल्स लि0 | 236.83                             |
| 2        | -तदैव-           | -तदैव-   | इस्राइल      | इस्राइल        | क्र.संख्या 1 को छोड़कर उत्पादक एवं निर्यातक का कोई भी युग्म |                             | 260.26                             |
| 3        | -तदैव-           | -तदैव-   | कोई          | इस्राइल        | कोई   | कोई                         | 260.26                             |
| 4        | -तदैव-           | -तदैव-   | इस्राइल      | कोई            | कोई   | कोई                         | 260.26                             |

|   |        |        |        |        |     |     |        |
|---|--------|--------|--------|--------|-----|-----|--------|
| 5 | -तदैव- | -तदैव- | ताइवान | ताइवान | कोई | कोई | 116.25 |
| 6 | -तदैव- | -तदैव- | कोई    | ताइवान | कोई | कोई | 116.25 |
| 7 | -तदैव- | -तदैव- | ताइवान | कोई    | कोई | कोई | 116.25 |

## ट. आगे की प्रक्रिया

73. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:

(क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया जाएगा;

(ख) प्राधिकारी द्वारा ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता तथा अन्य ज्ञात संबद्ध हितबद्ध पक्षकारों को अलग से लिखा जा रहा है जो प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रोषण की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी अपने विचार इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर प्रस्तुत कर सकता है।

(ग) प्राधिकारी विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से सुनने के लिए एक सुनवाई का आयोजन करेंगे।

(घ) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे और जांच तथा सत्यापन करेंगे;

(ङ) प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुसार अंतिम जांच परिणामों की घोषणा करने से पहले आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे।

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 25th October, 2011

**(Preliminary Findings)**

**Subject:-** Anti-dumping investigation concerning imports of 'Phosphoric Acid of all grades and all concentrations (excluding Agriculture/Fertilizer Grade)' originating in or exported from Israel and Taiwan.

**No. 14/44/2010-DGAD:** - Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended (hereinafter referred to as the AD Rules);

2. Whereas M/s. Gujarat Alkalies & Chemicals Limited, Baroda (hereinafter referred to as the Applicant) filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Act and the AD Rules for initiation of Anti-Dumping Duty investigation concerning imports of 'Phosphoric Acid of all grades and all concentrations (excluding Agriculture/Fertilizer Grade)' (hereinafter also referred to as the subject goods) originating in or exported from Israel and Taiwan (hereinafter also referred to as the subject countries) and requested for levy of anti-dumping duties on the subject goods. The subject countries were informed about receipt of application in accordance with the Rule 5(5) of the AD Rules.

3. And whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant issued a public notice dated 4<sup>th</sup> February 2011, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigation concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which, if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

**A. PROCEDURE**

4. The procedure described herein below has been followed with regard to investigation after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigation by the Authority:

- i. The Authority sent a copy of initiation notification dated 4<sup>th</sup> February 2011 to the Embassy/ /Economic & Cultural Centre of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, known importers/ users and the domestic

industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.

- ii. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassy/ /Economic & Cultural Centre of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) supra.
- iii. The Embassy/ /Economic & Cultural Centre of the subject countries in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) of the AD Rules with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known exporters.
- iv. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

| S.N. | Name of Producer/ Exporter                           |
|------|--|
| 1    | M/s Gwohuah Chemical Taiwan,                         |
| 2    | M/s Taiwan Alum Chemical Industrial Co. Ltd., Taiwan |
| 3    | M/s Green Mountain Co, Taiwan                        |
| 4    | M/s Yirher Chem & Hort Co. Ltd. Taiwan               |
| 5    | M/s South flower Trading Company, Ltd, Taiwan        |
| 6    | M/s Core Chemical Inc. Taiwan                        |
| 7    | M/s Israel Chemicals Ltd, Israel                     |

- v. In response to the above notification, the following exporters/producers/Association from the subject countries have responded:

1. M/s Yeou FA Chemical Co. Ltd, Taiwan
2. M/s Israel Chemicals Limited, Israel
3. M/s Hiforce Chemicals Corporation, Taiwan

- vi. Questionnaires were sent to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

| S.No. | Name of Importers/Exporters                           |
|-------|---|
| 1     | M/s Albright & Wilson Chemicals Ltd ,Mumbai           |
| 2     | M/s Bhavita Chemicals Pvt Ltd, Maharashtra            |
| 3     | M/s C J Shah & Co., Mumbai                            |
| 4     | M/s Jaydip Agencies, Mumbai                           |
| 5     | M/s Pharmachem Traders Pvt. Ltd., West Bengal         |
| 6.    | M/s Betzdearborn India Pvt. Ltd., Karnataka           |
| 7.    | M/s Fertilizers And Chemicals, Kerala                 |
| 8     | M/s Madras Fertilizers Ltd., Manali Madras            |
| 9.    | M/s Excel Industries Ltd., Maharashtra                |
| 10    | M/s Hind Lever Chemicals Ltd., Punjab                 |
| 11    | M/s Reliance Industries Ltd., Maharashtra             |
| 12    | M/s Carborandum Universal Ltd, Chennai                |
| 13    | M/s Tonira Pharma Ltd. , Baroda                       |
| 14    | M/s Berger Auto & Industrial Coat, New Delhi          |
| 15    | M/s LG Electronic India Pvt. Ltd., New Delhi          |
| 16.   | M/s Sudeep Pharma Ltd., Baroda                        |
| 17.   | M/s Mangalore Chemicals & Fertilizers Ltd., Karnataka |
| 18    | M/s ICI India Ltd., Madras                            |
| 19.   | M/s Bharat Electronics Ltd., New Delhi                |
| 20    | M/s Tosif Silktex. Kolkata                            |
| 21    | M/s Torrent Pharmaceuticals Ltd, Bombay               |
| 22    | M/s Star Chemicals Pvt. Ltd., Mumbai.                 |
| 23    | M/s Punjab Chem & Crop Protection Ltd., Mumbai.       |
| 24    | M/s Solaris Chemtech Limited, Karnataka               |

vii. Request for extension of time to file the questionnaires' response was received from some interested parties. The Authority granted the time extension, keeping in view the time constraints.

viii. Responses to the Importer's questionnaire have been received from the following importers of the subject goods In India:

1. M/s Chem Tall Rai India Ltd

ix. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;

x. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigation.

xi. Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.

xii. Investigation was carried out for the period starting from 1<sup>st</sup> April 2009 to 30<sup>th</sup> June 2010 (15 Months) (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2006-March 2007, April 2007-March 2008, April 2008-March 2009 and the POI.

xiii. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

xiv. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these findings on the basis of the facts available.

xv. \*\*\* in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the AD Rules.

#### **Submissions by M/s Hiforce Chemicals Corporation, Taiwan**

5. M/s. Hiforce Chemicals Corporation, Taiwan, *inter alia*, stated that they have learnt from Taiwanese market about the investigation on the instant subject and that they have not received any notice from the DGAD so far and have thus requested that they be provided an opportunity to file the exporter's questionnaire granting them sufficient time to do so the same.

#### **Examination by the Authority**

6. In response to the above, the Authority noted that the investigation in the instant matter was initiated on 4<sup>th</sup> February, 2011. In terms of the AD Rules, the known interested parties from the subject countries were duly advised to file the exporter questionnaire's response within forty days vide letter dated 25<sup>th</sup> February, 2011. Besides, vide the letter dated 25<sup>th</sup> February, 2011 the Taiwan Economic & Cultural Centre was also forwarded a copy of the initiation notification along with the Non-confidential version of the application and a copy of the questionnaire, *inter alia*, intimating them that the known exporters are being requested separately to furnish the relevant information in the form of response to the questionnaire sent to them, however, there may be more producers/exporters of the subject goods who may be interested in this investigation and therefore, they were requested to bring it to the notice of all concerned, so that they can

defend their interests effectively. Thus, it was expected that Taiwan Economic & Cultural Centre would suitably advise the exporters/producers from Taiwan.

7. Besides, there is no obligation under the AD Rules or WTO's AD Agreement which requires that each and every producer exporter from the subject country must be intimated about the initiation notification. Besides, not only the initiation notification was published vide the Govt. of India Gazette notification but it was also hosted on the website of the Department of Commerce. An exporter/producer from the subject country that has not been specifically named in the application filed before the DGAD is expected to file the response to the questionnaire (which could have been downloaded from the Department's website) within the stipulated time as indicated in the initiation notification. In view of the above, considering the time constraints to complete the investigation, the request of time extension could not be acceded to.

#### **B. Product under Consideration and Domestic Like Article**

8. The product under consideration is 'Phosphoric Acid of all grades and all concentrations (excluding Agriculture/Fertilizer Grade)'. Phosphoric Acid is an inorganic chemical used for the production of sodium phosphate, calcium phosphate, magnesium phosphate, ammonium phosphate, etc. The subject goods are also being used in pharmaceutical applications, beverages, seed processing, sugar juice clarification and sugar refining, food phosphate manufacturing etc.

9. Though Phosphoric Acid is classified under sub-heading no. 28092010 in the Customs Tariff Act but there is no dedicated custom classification for the product under consideration. The customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.

#### **Submissions made by M/s Yeou FA Chemical Co. Ltd, Taiwan**

10. The company in its declaration filed with the Authority, *inter alia*, claimed that their process of production of the subject goods is a Dry Method which is different from the domestic industry's Wet Method and that they have patented their Phosphoric Acid Purification Process and thus their cost structure is incomparable to that of the domestic industry. It has also been contended that the subject goods should be categorized into different market segments as per the user's application. It has been further contended that they are not listed as a known exporter of the subject goods according to the application and stated that they will provide the relevant information if required by the Designated Authority.

#### **Examination by the Authority**

11. The submissions filed by the company were perused and it was found that the company has simply filed certain sheets detailing the export sales and domestic sales records without bothering to file the exporter questionnaire's response as per the format prescribed.



12. In response to their submissions, the Authority *vide* its letter dated 6<sup>th</sup> April, 2011, *inter alia*, communicated to the Company that they are expected file the Exporter Questionnaire's response as per the prescribed format in order to substantiate their claim that they are not dumping the subject goods into India. A copy of the questionnaire was enclosed and it was clarified that the same could also be downloaded from [www.commerce.nic.in](http://www.commerce.nic.in) website. It was clarified *vide* this letter that in the absence of requisite information/ data, the Authority would be constrained to record its findings on the basis of facts available to it in terms of Rule 6(8) of the Anti-Dumping Rules.

13. The Authority notes that the company failed to provide the requisite information/data inspite of the above clarification. As the company has failed to substantiate its claims and did not submit its response as per the prescribed format; the Authority is constrained to proceed on the basis of 'facts available' on record.

### **Like Article**

#### **Submissions made by the Domestic industry**

14. The Applicant has claimed that there is no known significant difference in the subject goods produced by the Indian industry and the subject goods exported from the subject countries. The subject goods produced by the Indian industry and imported from the subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. Though producers of phosphoric acid world over broadly follow either of the two paths, viz. the wet process or the dry process but the technology and production process of the two are comparable to the best of knowledge of the Applicant.

### **Examination by the Authority**

15. With regard to like articles, Rule 2(d) of the AD Rules provides as under: -

*"like article " means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;*

16. The claim of the domestic industry with respect to 'like Article' has not been disputed by any interested party. After considering the information on record, the Authority is of the view that there is no known difference in product under consideration exported from subject countries and the product produced by the Indian industry. Product under consideration produced by the domestic industry is comparable to the imported subject product in terms of chemical characteristics, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable.

17. Thus, the Authority is of the view that the subject goods produced by the applicant domestic industry is like article to the product under consideration in accordance with the AD Rules.

### C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

18. Rule 2(b) of the AD Rules defines domestic industry as under: -

*“domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers only”*

19. The application has been filed by M/s. Gujarat Alkalies & Chemicals Limited, Baroda on behalf of the domestic industry and has been supported by M/s Punjab Chemicals & Crop Protection Ltd. As per information available on record, the Applicant accounts for about 45 % of the total Indian production and thus the production of the Applicant accounts for a major proportion of the domestic production. Further, the production of the Applicant along with the supporter is more than 50% of the Indian production.

20. Thus, the application satisfies the requirements of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules and the Applicant is being treated as ‘domestic industry’ within the meaning of Rule 2(b) of the AD Rules.

### D. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

#### General methodology

21. The Authority has noted that here have been significant variations in the prices of major raw-materials during the POI; hence, the determination of the Normal value, Export price and consequent Dumping margin has been undertaken based on a month-wise analysis. Besides, analysis has been undertaken considering the differences in grades within the subject goods, to the extent feasible.

#### Determination of Normal value in respect of Co-operative Exporters / Producers from Israel and Taiwan

22. The Authority sent questionnaire to the known exporters/producers from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed.

Only M/s Israel Chemical Limited, Israel has filed its exporter’s questionnaire’ response in the instant matter.

**M/s Israel Chemical Limited, Israel**

23. The questionnaire' response submitted by the company was perused. It has been stated that the company produces only food grade phosphoric acid and that in case there is a demand for technical grade; the same is met by supplying the food grade as technical grade. It has been further stated that while the goods produced and sold in the home market and goods exported to India are identical but there is a difference in their concentration level. It was noted that the company had not provided data in the relevant Appendixes to enable the Authority to carry out an appropriate ordinary course of trade test. Accordingly, the company was requested to furnish the requisite information/data vide a deficiency letter.

24. It is, however, noted that despite providing an opportunity; the company has not provided the relevant information within the stipulated time. Therefore, the Authority is not able to determine the Normal value on the basis the company's domestic sales and is constrained to do so, on the basis of 'facts available' in terms of the AD Rules.

**Determination of Normal value in respect of Non-Co-operative Exporters / Producers**

25. The Authority notes that no other exporter/producer from Israel and Taiwan has responded to the exporter' questionnaire. Therefore, the normal value in their cases has been determined on the basis of 'facts available'. The Normal Value has accordingly been constructed on the basis of best information available. For this purpose, international prices of raw materials namely Rock Phosphate and Hydrogen Peroxide have been considered; whereas consumption norms and conversion costs have been adopted as per best information available on record. Besides, a profit margin of 5% has been added to the costs so arrived, to determine the constructed normal value, which works out as US \$ \*\*\* for Israel and US \$ \*\*\* in respect of Taiwan.

**E. EXPORT PRICE****Export price for the responding exporters****M/s Israel Chemicals Limited, Israel through M/s Rotem Amfert Negev Ltd.**

26. The Authority examined whether the export prices in respect of responding exporters could be determined on the basis of questionnaire responses filed by the respondent. The export prices have been allowed as claimed by the respondent, subject to further investigation and verification. The respondent has furnished information in Appendix 2 relating to exports to India. The company has exported \*\*\* MT of the subject goods to India during the POI. The adjustments on account of inland freight, overseas freight, commission, storage, packing cost, marine insurance, ICL fees, credit cost, rebate and have been claimed and are provisionally being accepted subject to further investigation and verification. Besides, it is noted that the company does not get VAT refund; hence adjustment on this account has also been made on provisional basis, subject

to further investigation and verification. Thus, the net export price so determined works out as US \$ \*\*\*/ MT.

### **Determination of Export Price in respect of Non-Co-operative Exporters/Producers**

27. Since no other response has been received from any other producer/exporter of the subject goods; the Authority has determined the Export price as per 'facts available' in terms of Rule 6(8) of the AD Rules. The data has been collated as per the information available on record. Accordingly, net export price in respect of the other producers/exporters from Israel has been worked out as US \$ \*\*\*/ MT. Further, net export price in respect of the producers/exporters from Taiwan has been worked out as US \$ \*\*\*/MT.

### **F. DUMPING MARGIN**

28. Considering the Normal values and Export prices as determined above, the dumping margins have been determined as follows:

| S. No. | Country | Producer                       | Exporter                     | Normal Value | Net Export Price | In US\$/MT     |                        |
|--------|---------|--------------------------------|------------------------------|--------------|------------------|----------------|------------------------|
|        |         |                                |                              |              |                  | Dumping Margin | Dumping Margin % Range |
| 1.     | Israel  | M/s Rotem Amfert Negev Ltd.    | M/s Israel Chemicals Limited | ***          | ***              | ***            | 35-45                  |
| 2.     | Israel  | All other exporters/ producers |                              | ***          | ***              | ***            | 40-50                  |
| 3.     | Taiwan  | All exporters/ producers       |                              | ***          | ***              | ***            | 15-25                  |

### **G. INJURY AND CAUSAL LINK**

29. The Authority has noted that here have been significant variations in the prices of major raw-materials during the POI; hence, the injury analysis has been undertaken by considering the data on a month-wise basis, to the extent feasible. Besides, while doing so the differences in grades within the subject goods have been duly considered.

**Submissions made by the domestic industry**

30. The following submissions have been made by the domestic industry:-
- (i) Even when the imports of the subject goods from the subject countries appeared for the first time in 2008-09, the volumes increased significantly in the proposed POI.
  - (ii) Imports are undercutting the prices of the domestic industry.
  - (iii) The price undercutting is leading to price depression much beyond the decline in the cost of production.
  - (iv) Performance of the domestic industry declined in terms of production, sales, capacity utilization, market share, profits, return on investment, cash flow and inventories in the proposed POI when the imports are showing a significant increase.
  - (v) The domestic industry was in the process of recovering from past effects of dumping. The recovery has been prevented by the fresh dumping of the product. the industry was earlier faced with fresh dumping from Korea. The industry is now faced with fresh dumping from subject countries.
  - (vi) Performance of the domestic industry was expected to improve after imposition of anti dumping duty on imports from China & Korea RP. Performance in terms of price parameters did improve briefly in 2008-09. But the same deteriorated once again in 2009-10.
  - (vii) The deterioration in the performance during the current period is material and quite significant.
  - (viii) In addition to the material injury already inflicted on the domestic industry, imports from subject countries are posing threat of material injury to the domestic industry.

**Cumulative assessment**

31. Annexure II para (iii) of the AD Rules provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that: -

- a. the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively accounts for more than seven percent of the import of like article and
- b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

**32. The Authority notes that:-**

- The subject goods are being dumped into India from a number of countries.
- The margins of dumping from each of the subject countries are more than the *de-minimis* limits prescribed;
- The volume of imports from each of the subject countries is more than the *de-minimis* limits prescribed;
- Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate as the exports from the subject countries directly compete with the like articles offered by the domestic industry in the Indian market, which is evident from the following:-
  - a. The products manufactured by the producers from the subject countries and the products manufactured by the Applicant have comparable properties. In other words, goods supplied by various subject countries and by the domestic industry are *inter-se* like articles.
  - b. There are common parties who are resorting to use of the imported subject goods from various sources and the goods produced by the domestic industry. Both, the imported and the domestic subject goods, are being used interchangeably and there is direct competition between the domestic product & imported products and *inter-se* amongst imported products.
  - c. The exporters from the subject countries and domestic industry have sold the product in the same periods to the same set of customers. The sales channels are comparable.
  - d. The volume of imports from each of the subject countries is significant.

33. In view of the above, the Authority considers that it would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from exports of the subject goods from the subject countries

**Examination by the Authority**

34. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

35. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude

and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the AD Rules.

A) Volume Effects of Dumped Imports:

Demand and market share

36. Demand of the product in the Countries has been assessed as the sum of domestic sales of the domestic producers and imports from all sources.

| Particulars   | Unit | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | POI (April 2009<br>to June 2010) | POI<br>(Annualised) |
|---|------|---------|---------|---------|----------------------------------|---------------------|
| Imports - as per<br>IBIS data   |      |         |         |         |                                  |                     |
| Volume (MT)   |      |         |         |         |                                  |                     |
| Israel  | MT   | Nil     | Nil     | Nil     | 9243                             | 7394                |
| Taiwan  | MT   | Nil     | Nil     | 233     | 4776                             | 3821                |
| Country<br>Attracting<br>Duty   | MT   | 4150    | 17877   | 12935   | 9797                             | 7838                |
| Other<br>Countries  | MT   | 429     | 252     | 842     | 1177                             | 942                 |
| Total Imports   | MT   | 4579    | 18129   | 14010   | 24993                            | 19995               |
| Applicant<br>domestic<br>industry<br>along with<br>supporting<br>domestic<br>producer | MT   |         |         |         |                                  |                     |
|   |      | 27679   | 30292   | 22353   | 28595                            | 22876               |
| Other<br>domestic<br>producers  | MT   |         |         |         | 26937                            |                     |
|   |      | 29332   | 27954   | 23765   |                                  | 21550               |
| Total   | MT   | 57011   | 58246   | 46118   | 55532                            | 44426               |
| Total<br>Demand   | MT   | 61590   | 76375   | 60128   | 80505                            | 64421               |

37. It is noted that demand for the product has significantly increased in the 2007-08 period as compared to the base year and then went down in 2008-09 period and has increased again thereafter in the POI. The demand, however, increased in the POI as compared to the base year.

Import volumes and market share

38. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

39. The Authority requested the office of DGCI&S for the relevant import details as regards the subject goods but the same has not yet been received. The Applicant has provided information with regard to imports of the subject goods into India based on IBIS data for 2006-07, 2007-08, 2008-09 and POI periods. Thus, the volume of imports reported by IBIS has been adopted. Further, a response from one producer/exporter from Israel has been received by the Authority. The data available on record has thus been collated and compiled to determine the total volume of the subject goods imported into India.

40. It is seen that the imports of the subject goods from the subject countries have increased significantly during the POI:

| Particulars                | Unit | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | POI (April 2009 to June 2010) | POI (Annualised). |
|----------------------------|------|---------|---------|---------|-------------------------------|-------------------|
| Imports - as per IBIS data |      |         |         |         |                               |                   |
| Volume (MT)                |      |         |         |         |                               |                   |
| Israel                     | MT   | Nil     | Nil     | Nil     | 9243                          | 7394              |
| Taiwan                     | MT   | Nil     | Nil     | 233     | 4776                          | 3821              |
| Country Attracting Duty    | MT   | 4150    | 17877   | 12935   | 9797                          | 7838              |
| Other Countries            | MT   | 429     | 252     | 842     | 1177                          | 942               |
| Total Imports              | MT   | 4579    | 18129   | 14010   | 24993                         | 19995             |

- b) Imports from subject countries have increased in relation to production and consumption in India as compared to the base year.

|   | Unit | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | POI (April 2009 to June 2010) |
|---|------|---------|---------|---------|-------------------------------|
| Dumped imports in relation to Indian production | %    | 0       | 0       | 0.48    | 25.10                         |
| Dumped imports in relation to demand in India   | %    | 0       | 0       | 0.38    | 16.89                         |



C) While market share of the subject countries has increased, the share of Indian producers has declined.

| Market Share in Demand                   |   | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | POI (April 2009 to June 2010) |
|--|---|---------|---------|---------|-------------------------------|
| Petitioners                              | % | 43.78   | 37.97   | 36.06   | 33.88                         |
| Supporters                               | % | 1.16    | 1.69    | 1.12    | 1.64                          |
| Other Indian producers                   | % | 47.62   | 36.60   | 39.52   | 33.46                         |
| Subject countries                        | % | -       | -       | 0.39    | 17.41                         |
| Countries attracting anti dumping duties | % | 6.74    | 23.41   | 21.51   | 12.17                         |
| Other Countries                          |   | 0.70    | 0.33    | 1.40    | 1.44                          |
| Total                                    | % | 100     | 100     | 100     | 100                           |

41. It is seen from the above table that volume of import of the subject goods from the subject countries has increased significantly; whereas the share of domestic industry has decreased over the injury period. The share of imports from the subject countries, which was Nil in the base year, went up by 17.41% in the POI.

#### Price effect of imports

42. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. It is seen that the landed value of imports of the subject goods are significantly below the net selling prices of the domestic industry, resulting in significant price undercutting. The position is as follows.

|                       | Unit      | Israel | Taiwan |
|-----------------------|-----------|--------|--------|
| Net Sales Realization | Rs./MT    | ***    | ***    |
| Landed Value          | Rs./MT    | ***    | ***    |
| Price Undercutting    | Rs./MT    | ***    | ***    |
| Price Undercutting    | Range (%) | 5-15   | 15-25  |

43. A perusal of the data in respect of the cost of sales and the net selling price shows that the domestic industry has apparently not suffered from any price suppression/depression, if the data of the POI is compared *vis a vis* the base year data. However, if the cost of sales and net selling price are seen *vis a vis* 2008-09 period, there appears to be a

case of significant price depression during the POI, as it is noted that the cost of sales dropped by 23%; whereas the net selling price dropped by about 29%.

|                   | Unit   | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | POI(April 2009 to June 2010) |
|-------------------|--------|---------|---------|---------|------------------------------|
| Cost of Sales     | Rs./MT | ***     | ***     | ***     | ***                          |
| Trend             | Index  | 100     | 99.72   | 189     | 145                          |
| Net Selling Price | Rs./MT | ***     | ***     | ***     | ***                          |
| Trend             | Index  | 100     | 114     | 225     | 159                          |

44. The other injury parameters relating to the domestic industry are as follows:

Sales volumes

45. The sales volumes of the domestic industry were analyzed over the injury period as follows:

| Domestic Sales volume (MT)  | Unit | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | POI (April 2009 to June 2010) | POI (Annualised) |
|---|------|---------|---------|---------|-------------------------------|------------------|
| Applicant domestic industry   | MT   | 26965   | 28997   | 21682   | 27273                         | 21818            |
| Supporting domestic producer  | MT   | 714     | 1295    | 671     | 1322                          | 1058             |
| Applicant domestic industry along with supporting domestic producer | MT   | 27679   | 30292   | 22353   | 28595                         | 22876            |
| Other domestic producers  | MT   | 29332   | 27954   | 23765   | 26937                         | 21550            |
| Total   | MT   | 57011   | 58246   | 46118   | 55532                         | 44426            |

46. The Authority notes that the domestic industry's sales volume have decreased significantly during the POI as compared to the base year; whereas it has marginally improved as compared to the 2008-09 period. The Authority notes that the decline in the sales volume was inspite of increase in the demand for the subject goods in the country over the injury period.

**Capacity and Capacity Utilization**

|                              | Capacity | Production | Capacity utilization |
|------------------------------|----------|------------|----------------------|
| Unit                         | MT       | MT         | %                    |
| 2006-07                      | ***      | ***        | 90                   |
| 2007-08                      | ***      | ***        | 99                   |
| 2008-09                      | ***      | ***        | 84                   |
| POI(April 2009 to June 2010) | ***      | ***        | 74                   |
| POI (Annualised)             | ***      | ***        | 74                   |

47. The Authority notes that while capacity has remained constant throughout the injury period; the production of the Applicant domestic industry increased in the 2007-08 period as compared to the base year; but has subsequently fallen significantly. Capacity utilisation has dropped from 90% in the base year to 74% in the POI. The domestic industry has contended the positive trend in the 2007-08 period was because of the levy of anti-dumping duty concerning imports of the subject goods from China PR.

48. The Authority notes that ordinarily the production and the sales of the domestic industry should have increased with the increase in demand of the subject goods in India; but it has shown a decline instead. It is seen that the production of the applicant domestic industry declined by 18 % during the period of investigation as compared to the base year; whereas its sales have declined by 17 %. Apparently, the domestic industry has not been able to utilize its production capacities, and its utilization is at lowest level during the period of investigation.

**Factors affecting prices:**

49. The Authority notes that during the POI, imports are undercutting the domestic industry's selling prices.

|  |       | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | POI (April 2009 to June 2010) |
|--|-------|---------|---------|---------|-------------------------------|
| Cost to make & sell                    | Rs/MT | ***     | ***     | ***     | ***                           |
| Trend                                  | Index | 100     | 99      | 189     | 145                           |
| Net Selling price                      | Rs/MT | ***     | ***     | ***     | ***                           |
| Trend                                  | Index | 100     | 114     | 225     | 159                           |
| Profit/(loss)                          | Rs/MT | (***)   | (***)   | ***     | (***)                         |
| Trend                                  | Index | (100)   | (4)     | 49      | (55)                          |
| Landed value of dumped import - Israel | Rs/MT |         |         |         | ***                           |
| Landed value of dumped import - Taiwan | Rs/MT |         |         |         | ***                           |

50. It is observed that the landed value of imports of the subject goods is significantly below the net selling price of the domestic industry during the POI, thus causing

significantly price undercutting. A perusal of data further shows that in comparison to the base year, the domestic industry' net selling prices increased more than the increase in its cost of sales. However, the domestic industry has claimed that this positive trend in the 2007-08 and 2008-09 was because of some check on dumping by way of imposing anti dumping duty concerning imports of the subject goods from China PR and Korea RP.

#### Profit/Loss, return on investment and cash profits

51. The position with regard to Profit/Loss, return on investment and cash profits is as follows:

|                      |           | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | POI (April 2009 to June 2010) | POI Annualised |
|----------------------|-----------|---------|---------|---------|-------------------------------|----------------|
| Profit/( loss)       | Rs./lakhs | (***)   | (***)   | ***     | (***)                         | (***)          |
| Trend                | Index     | (100)   | (4)     | 39      | (57)                          | (45)           |
| Return on Investment | %         | (***)   | ***     | ***     | (***)                         | (***)          |
| Trend                | Index     | (100)   | 16      | 70      | (52)                          | (52)           |
| Cash profit          | Rs. Lakhs | (***)   | ***     | ***     | ***                           | ***            |
| Tend                 | Index     | (100)   | 132     | 246     | 42                            | 34             |

52. It is seen that the domestic industry was incurring huge losses during the base year 2006-07. The situation in this respect improved a little, as the losses reduced significantly during 2007-08 period. Its performance further improved as it earned profits during the year 2008-09 period. But the performance worsened significantly thereafter during the POI, as heavy losses were incurred by it during the POI. However, the losses to domestic industry have reduced substantially from Rs. \*\*\* lakhs during the base year to Rs. \*\*\* lakh on annualized basis during the period of investigation. Return on investment and cash profits have followed the same trend as that of profitability. This improvement too has been alluded to by the domestic industry to the levy of anti-dumping duty on the subject goods *vis a vis* countries already attracting duties.

#### Inventories:

53. The data relating to inventories shows as follows:

|               | Unit    | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | POI(April 2009 to June 2010) |
|---------------|---------|---------|---------|---------|------------------------------|
| Average Stock | Mt      | ***     | ***     | ***     | ***                          |
| Trend         | Indexed | 100     | 43      | 97      | 134                          |

54. It is noted that inventories have increased in the POI as compared to the base year. Apparently the domestic industry is not able to sell its produce completely resulting in increase in inventories, despite increase in the demand.

Employment, wages and productivity:

55. The data relating to employment, wages and productivity is as follows

|                               | Unit    | 2006-07 | 2007-08 | 2008-09 | POI(April2009-June10) | POI Annualised |
|-------------------------------|---------|---------|---------|---------|-----------------------|----------------|
| Number of employees-          | Nos.    | ***     | ***     | ***     | ***                   | ***            |
| Trend                         | Indexed | 100     | 102     | 104     | 105                   | 105            |
| Wages-                        | Rs.Lacs | ***     | ***     | ***     | ***                   | ***            |
| Trend                         | Indexed | 100     | 116     | 128     | 228                   | 182            |
| Wages per unit of production- | Rs./MT  | ***     | ***     | ***     | ***                   | ***            |
| Trend                         | Indexed | 100     | 104     | 137     | 221                   | 221            |
| Productivity per employee-    | MT      | ***     | ***     | ***     | ***                   | ***            |
| Trend                         | Indexed | 100     | 109     | 90      | 78                    | 78             |

56. It is seen that the number of employees marginally increased during the injury period. Wages per unit of production increased significantly during the POI as compared to the base year; whereas the productivity per employee showed a declining trend during the same period. Besides, it is seen that total wages paid showed an increasing trend.

Dumping Margin:

57. It is observed from the section pertaining to Dumping Margin above that dumping margin in respect of the subject countries is significantly positive.

Growth:

58. It is noted that the growth of the domestic industry shows a declining trend in respect of volume as well as price parameters. In fact, parameters relating to profitability have become negative in the POI as compared to the preceding year.

Ability to raise funds:

59. The Authority notes that the applicant is a multi-product company; hence its ability to raise funds cannot be fairly evaluated on the basis of its performance of the subject goods.

Conclusion on material injury:

60. The demand of the subject goods has increased from 100 (Index) in base year to 105(Index) in POI, i.e., increase by 5%. During the same period, the domestic sales have declined by 17%; thus the domestic industry has not been able to take advantage of the increase in demand of the subject goods in the Indian market.

61. It is seen that the imports have increased significantly in absolute terms and in relation to production & consumption in India. The imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry. As a result, of the significant increase in imports and price difference between the imported and domestic product, the performance of the domestic industry has deteriorated in terms of parameters such as production, sales volumes, capacity utilization and market share during the POI in comparison to the base year. However, during the same period loss to the domestic industry has come down and cash profit and return on investment also follows the same trend. The improvement on some of the parameters has been alluded to by the domestic industry to the levy of anti-dumping measures concerning imports of the subject goods from countries already attracting the duties.

62. The above analysis shows that the domestic industry has suffered material injury.

### **Causal Link**

63. As per the AD Rules, the Authority is, *inter alia*, obligated to also examine any known factors other than the dumped imports, which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors are not attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry.

64. It was examined whether these other parameters listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It is noted that:

- a. Imports from Third Countries: - The Authority notes that imports from third countries other than those already attracting anti-dumping duties are negligible and thus could not have caused injury to the domestic industry.
- b. Contraction in Demand: - The Authority notes that there is no contraction in the demand over the injury period. On the contrary, overall demand for the subject goods has shown significant positive growth during the POI as compared to the base year.
- c. Pattern of consumption: - No significant change in the pattern of consumption has come to the knowledge of the Authority, nor any interested party has made any submission in this regard.
- d. Conditions of competition: - The investigation so far has not shown that conditions of competition or trade restrictive practices are responsible for the claimed injury to the domestic industry.

- e. **Developments in technology:** - The investigation so far has not shown that there was any significant change in technology, which could have caused injury to the domestic industry.
- f. **Export performance of the domestic industry:** - The price and profitability in the domestic and export market has been segregated by the Authority for the purpose of present injury assessment. Therefore, the analysis on injury is not misrepresentative due to possible inclusion of export performance.

65. The Authority notes that while listed known other factors do not show injury to the domestic industry, the following parameters indicate that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports.

- The imports of the subject goods from the subject countries are available at prices lower than domestic industry. Apparently, the consumers are switching over to imports as consequence thereof, thus leading to loss of market share for the Indian producers in general and domestic industry in particular.
- The domestic industry has lost sales volumes. Its market share has declined, whereas that of imports from the subject countries has increased.
- As a consequence of decline in the market share of the domestic industry, production & capacity utilization of the domestic industry deteriorated significantly. Deterioration in these parameters is apparently due to the presence of the dumped imports.
- The dumped imports are undercutting the prices of the domestic industry. There is a case of significant price-depression as well, if its net selling prices are seen *vis a vis* the preceding year. Besides, the domestic industry's performance in terms of profits, return on investment and cash flow is far from satisfactory. In fact its performance has significantly deteriorated, if analysed *vis a vis* its performance during the preceding period.

66. The Authority is of the view that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports.

**Magnitude of injury and injury margin:**

67. The Authority has determined non-injurious prices of different grades of the subject goods for the domestic industry taking into account the respective cost of production of the domestic industry. The non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed values of the subject goods to determine the injury margins. The injury margins have been worked out as follows:

| Producer/Exporter                             | IM US\$ per Kg | IM% - Range |
|---|----------------|-------------|
| ICL   | ***            | 55-65       |
| All other exporters/<br>producers from Israel | ***            | 65-75       |
| All exporters/producers<br>from Taiwan        | ***            | 30-40       |

## **H. Conclusions:**

68. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority provisionally concludes that:

(a) The product under consideration has been exported to India from the subject countries below associated Normal values, thus resulting in dumping of the product.

(b) The domestic industry has suffered material injury.

(c) The material injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports from subject countries.

## **I. Indian industry's interest & other issues**

69. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Countries. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

70. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

## **J. Recommendations**

71. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information, *inter alia*, on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having provisionally established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending



completion of the investigation. Therefore, the Authority considers it necessary and recommends imposition of provisional anti-dumping duty on imports of the subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

72. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty as per amount specified in Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of this notification in the event of acceptance of these recommendations by the Central Government, on all imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

| S. No. | Heading/<br>Subheading | Description of goods   | Countries of Origin | Countries of Exports | Producer  | Exporter                     | Duty Amount<br><br>In US \$ per MT |
|--------|------------------------|--|---------------------|----------------------|---|------------------------------|------------------------------------|
| (1)    | (2)                    | (3)  | (4)                 | (5)                  | (6)   | (7)                          | (8)                                |
| 1      | 2809-2010              | Phosphoric Acid of all grades and concentrations (excluding Agriculture /Fertiliser Grade) | Israel              | Israel               | M/s Rotem Amfert Negev. Ltd.                              | M/S Israel Chemicals Limited | 236.83                             |
| 2      | -do-                   | -do-   | Israel              | Israel               | Any combination of producer & exporter except at Sr. No.1 |                              | 260.26                             |
| 3      | -do-                   | -do-   | Any                 | Israel               | Any   | Any                          | 260.26                             |
| 4      | -do-                   | -do-   | Israel              | Any                  | Any   | Any                          | 260.26                             |
| 5      | -do-                   | -do-   | Taiwan              | Taiwan               | Any   | Any                          | 116.25                             |
| 6      | -do-                   | -do-   | Any                 | Taiwan               | Any   | Any                          | 116.25                             |
| 7      | -do-                   | -do-   | Taiwan              | Any                  | Any   | Any                          | 116.25                             |

#### K. Further Procedure

73. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings: -

- The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- Exporters, importers, the applicant and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of these Preliminary findings. Any

other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;

- (c) The Authority would hold a hearing to hear the views of various interested parties orally;
- (d) The Authority would conduct further investigation and verification to the extent deemed necessary;
- (e) The Authority would disclose essential facts as per the AD Rules before determining the final findings.

VIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority